गिरजा के लाडले दुलारे के सबई देव आरती उतारे लिरिक्स

गिरजा के लाडले दुलारे,
के सबई देव आरती उतारे।bd।

पहलऊ पूजा होए तुम्हारी,
पहलउ काज सवारे,
के सबई देव आरती उतारे।bd।

माथे मुकुट कान है कुण्डल,
नैनन कोर कजरारे,
के सबई देव आरती उतारे।bd।

गले हार मोतिन के माला,
पीले वस्त्र तन धारे,
के सबई देव आरती उतारे।bd।

रिद्धि सिद्धि बुद्धि के दाता,
माता के नैनो के तारे,
के सबई देव आरती उतारे।bd।

पुष्प दीप मधुमेवा चढ़ाते,
लड्डुवन् के भोग लगें प्यारे,
के सबई देव आरती उतारे।bd।

सब गणपति को ध्यान करत है,
दइयो सबखें सहारे,
के सबई देव आरती उतारे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

के सबई देव आरती उतारे।bd।

गायक / प्रेषक – विजय साहू।
जबलपुर, +91 93016 79909

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com